



বিশ্বভারতী / VISVA-BHARATI

কেন্দ্রীয় পুস্তকালয় / CENTRAL LIBRARY

বিশ্বভারতী পুস্তকালয় নেটওয়ার্ক / (Visva-Bharati Library Network)

Memo No. CL/85 /2024-25/(36)

Date: ০১ মে ২০২৪

বিজ্ঞপ্তি

‘লাইব্রেরির বকেয়া ছাড়পত্র সংক্রান্ত’

সংশ্লিষ্ট সকলের অবগতির জন্য জানানো যাচ্ছে যে, অন্তিম/চূড়ান্ত বৎসর/সেমিস্টার (বিএ/বিএসসি/বিএফএ/বিডেএস ৬ষ্ঠ/৮ম সেমি; এম.এ./এম.এস.সি. ২য় বর্ষ/ ৪র্থ সেমিস্টার; সার্টিফিকেট এবং ডিপ্লোমা এবং পিএইচডি/এমফিল প্রোগ্রাম) এর শিক্ষার্থীরা তাদের গ্রন্থাগার থেকে নেওয়া বই ফেরৎ দিচ্ছে না। কিছু কিছু ছাত্র-ছাত্রী / গবেষক/গবেষিকা, বিশ্বভারতীর কেন্দ্রীয় গ্রন্থাগার থেকে ‘কোনও বকেয়া শংসাপত্র’ ও নেয় না। কিছু ক্ষেত্রে, আশ্চর্যজনকভাবে ছাত্ররা গ্রন্থাগার ছাড়পত্র ছাড়াই তাদের স্নাতক পাঠ্যক্রমের মার্কশিট সংগ্রহ করেছে। তাছাড়া পাঠ্যক্রম প্রত্যাহার করা শিক্ষার্থীরাও গ্রন্থাগারের বই ফেরত দিচ্ছে না। ফলে বিশ্বভারতী গ্রন্থাগার প্রতি বছর মূল্যবান সম্পদ (মুদ্রিত বই) হারাচ্ছে।

সমস্ত ভবনের অধ্যক্ষ / বিভাগীয় প্রধানদের এই বিষয়ে প্রয়োজনীয় পদক্ষেপ নেওয়ার জন্য এবং সংশ্লিষ্ট অফিসে প্রয়োজনীয় নির্দেশনা দেওয়ার জন্য অনুরোধ করা হচ্ছে।

এই প্রসঙ্গে, অনুমোদিত বিশ্বভারতী গ্রন্থাগারের নিয়মাবলীর ধারা নং 22.d. অনুসরণ করে বিবেচনা করা যেতে পারে: “শিক্ষার্থীদের বিশ্ববিদ্যালয়ের চূড়ান্ত (সেমিস্টার) পরীক্ষার জন্য প্রবেশপত্র পাওয়ার আগে বিশ্ববিদ্যালয়ের গ্রন্থাগারিকের কাছ থেকে একটি ছাড়পত্র নিতে হবে। জরুরী ভিত্তিতে, অধ্যক্ষ/বিভাগীয় প্রধানরা এই শর্তে শিক্ষার্থীদের প্রবেশপত্র দিতে পারেন যে তারা চূড়ান্ত পরীক্ষা শেষ হওয়ার পরেই উল্লিখিত ছাড়পত্র নেবেন, অন্যথায় চূড়ান্ত মার্কশিট দেওয়া হবে না। অধ্যক্ষের কার্যালয় / বিভাগীয় প্রধানের কার্যালয়, বিশ্ববিদ্যালয়ের গ্রন্থাগারিকের কার্যালয় দ্বারা জারিকৃত ছাড়পত্রের শংসাপত্র যাচাই করার পরেই শিক্ষার্থীদের চূড়ান্ত মার্কশিট প্রদান করবে”।

শিক্ষার্থীদের/গবেষক-গবেষিকাদের (যারা পাশ / গবেষণা সম্পন্ন করে গেছেন এবং যারা পাঠ্যক্রম প্রত্যাহার করেছেন) কাছে, বিশ্বভারতী কেন্দ্রীয় গ্রন্থাগার বা ভবন গ্রন্থাগার এর কোনো বই থেকে থাকলে, তা কেন্দ্রীয় গ্রন্থাগারে বা সংশ্লিষ্ট ভবন গ্রন্থাগারে যথা শীঘ্র সম্ভব ফেরৎ দেওয়ার আবেদন জানানো হচ্ছে।

বিশ্বভারতী গ্রন্থাগারের মূল্যবান সম্পদ সংরক্ষণে সংশ্লিষ্ট সকলের সহযোগিতা একান্তভাবে কাম্য।

গ্রন্থাগারিক

বিশ্বভারতী, শান্তিনিকেতন



विश्वभारती / VISVA-BHARATI

केंद्रीय पुस्तकालय / CENTRAL LIBRARY

विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क / (Visva-Bharati Library Network)

ज्ञापन सं. सीएल/ 85 /2024-25/(36)

दिनांक: 01 May 2024

### सूचना

'अदेयता प्रमाणपत्र' - पुस्तकालय /

यह सभी संबंधित लोगों की जानकारी के लिए है कि हर साल पुस्तकालय अपने मूल्यवान संसाधनों (मुद्रित पुस्तकों) को खो रहा है क्योंकि अंतिम वर्ष/सेमेस्टर (बी.ए./बी.एससी./बीएफए/बीडीएस 6वीं/8वीं सेमेस्टर; एम.ए./एम.एससी. द्वितीय वर्ष/चतुर्थ सेमेस्टर; प्रमाणपत्र और डिप्लोमा और पीएचडी/एम.फिल कार्यक्रम) के छात्रों ने पुस्तकालयाध्यक्ष, विश्वभारती से 'मंजूरी प्रमाणपत्र' प्राप्त नहीं किया है। कुछ मामलों में, यह आश्चर्य की बात है कि छात्रों ने पुस्तकालय 'मंजूरी प्रमाणपत्र' के बिना भी स्नातक कार्यक्रमों की अपनी मार्कशीट एकत्र कर लीं। इसके अलावा, जो छात्र पाठ्यक्रम छोड़ रहे हैं, उन्होंने पुस्तकालय की किताबें वापस नहीं की हैं।

सभी भवनों के प्राचार्यों/विभागाध्यक्षों से अनुरोध है कि वे इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करें और संबंधित कार्यालयों को आवश्यक निर्देश दें।

इस संदर्भ में स्वीकृत विश्वभारती पुस्तकालय नियम खंड संख्या. 22.द. पर विचार किया जाए: "छात्रों को विश्वविद्यालय की अंतिम (सेमेस्टर) परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र प्राप्त करने से पहले विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष से एक 'मंजूरी प्रमाणपत्र' प्रस्तुत करना होगा। हालाँकि, अत्यावश्यक स्थिति में, प्राचार्यों/विभागाध्यक्षों छात्रों को इस शर्त पर प्रवेश पत्र जारी कर सकते हैं कि वे अंतिम परीक्षा समाप्त होने के तुरंत बाद उक्त 'मंजूरी प्रमाणपत्र' प्राप्त करेंगे, अन्यथा अंतिम मार्कशीट जारी नहीं की जाएगी। प्राचार्यों कार्यालय /विभागाध्यक्षों कार्यालय, विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष के कार्यालय द्वारा जारी किए गए क्लियरेंस सर्टिफिकेट को सत्यापित करने के बाद ही छात्रों को अंतिम मार्कशीट जारी करेंगे।

सभी छात्रों/विद्वानों (जो उत्तीर्ण/ पीएचडी से सम्मानित हो चुके और जिन्होंने पाठ्यक्रम छोड़ दिया है) से अनुरोध है कि वे विश्वभारती केंद्रीय पुस्तकालय, भवन पुस्तकालय की पुस्तकें, यदि उनके पास हों, यथाशीघ्र वापस कर दें।

विश्वभारती पुस्तकालय के बहुमूल्य संसाधनों को बचाने में सभी संबंधित पक्षों से सहयोग की अत्यधिक अपेक्षा है।

**निमाई चंद साहा**

पुस्तकालयाध्यक्ष  
विश्वभारती, शान्तिनिकेतन

**URGENT**



विश्वभारती / VISVA-BHARATI  
केंद्रीय पुस्तकालय / CENTRAL LIBRARY  
विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क / (Visva-Bharati Library Network)

Memo No. CL/85 /2024-25/(36)

Date: 01 May 2024

**NOTICE**

**‘NO DUES CERTIFICATE’ - Library**

This is for information of all concerned that every year library is losing its valuable resources (print books) as the students of the final year/semester (B.A./B.Sc./BFA/BDes 6<sup>th</sup>/8<sup>th</sup> Semester; M.A./M.Sc. 2<sup>nd</sup> Year/4<sup>th</sup> semester; Certificate & Diploma and also Ph.D/M.Phil. programs) have not obtained ‘No Dues Certificate’ from the Librarian, Visva-Bharati. In some cases, it is surprising, that students even collected their mark sheet(s) of UG/PG programs without having library clearance certificate. Further, the students those are discontinuing the courses, they have not returned the library books.

Principals of all the Bhavanas / Head of the Departments are requested to do the needful in this regard and give necessary instruction to the respective Offices.

In this context, approved Visva-Bharati library rules clause no. 22.d. may please be taken into consideration: **“Students will have to produce a clearance certificate from the university librarian before obtaining admit card for the University final (semester) examination. However, on urgency, Principals/HODs may issue admit card to the students on condition that they shall obtain the said clearance certificate soon after the final examination is over, else final mark sheet will not be issued. Principal’s Office / HOD’s Office will issue final mark sheet to the students only after verifying the clearance certificate issued by the office of the university librarian”.**

All the students/scholars (who have passed/awarded and those who have withdrawn/discontinued the course) are requested to return the book(s) of the Visva-Bharati Central Library, Bhavana Library, as soon as possible, if they have any book(s) under their possession till date.

Cooperation from all concerned in saving the valuable resources of the Visva-Bharati Library is highly solicited.

Librarian  
Visva-Bharati, Santiniketan